



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 माघ 1941 (श०)

(सं० पटना 95) पटना, सोमवार, 3 फरवरी 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

10 अक्टूबर 2019

सं० 1113—नालंदा जिलान्तर्गत श्री रामजानकी न्यास, पुरानी ठाकुरबाड़ी, बीच बाजार, पो०+था०—हरनौत, जिला—नालंदा पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—4214/2012 है।

इस न्यास के संबंध में आवेदक श्री अनिल कुमार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज, अनुमंडल पदाधिकारी, बिहार शरीफ के न्यायालय में विविध वाद सं०—325/12 में पारित आदेश दिनांक 28/08/2012 तथा पर्षद को प्रेषित जिल्लाधिकारी, नालंदा का पत्रांक—3033, दिनांक 14/09/12 में स्पष्ट किया गया है कि इस ठाकुरबाड़ी की अचल सम्पत्ति, मौखिल दान से प्राप्त हुयी, जिसमें काफी समय पूर्व से आम जनता द्वारा पूजा—अर्चना और उक्त भूमि का उपयोग धार्मिक कार्य के लिए किया जाता है। अनुमंडल पदाधिकारी, बिहार शरीफ ने अपने पत्रांक—1090, दिनांक 30/11/2012 द्वारा अंचलाधिकारी, हरनौत को निदेशित किया कि पर्षद द्वारा इसे निबंधित होने की सूचना प्राप्त होते ही विपक्षी द्वारा अवैध कब्जा किये गये दुकान का पुनः निर्माण करना चाह रहे हैं। भूमि सुधार उपसमाहर्ता, बिहार शरीफ के वाद सं०—59/12—13 अनिल कुमार—वनाम्—सुरेन्द्र साह में पारित आदेश दिनांक 25/12/12 में निदेश दिया गया है कि सुरेन्द्र साह तथा इनके दोनों पुत्र एवं इसके निकटतम सहयोगी श्री रघुवंश सिंह तथा सुरेश शाह उर्फ मनोज कुमार को उक्त ठाकुरबाड़ी की जमीन पर किसी तरह की संरचना का निर्माण कार्य नहीं करेंगे। चूंकि यह पर्षद से निबंधित न्यास है।

अतः संचिका पर उपलब्ध तथ्यों के आलोक में तथा आम सभा दिनांक 30/09/12 में प्रस्तावित नामों का संशोधन करते हुए अस्थायी रूप से एक न्यास समिति के गठन निर्णय लिया गया हैं। पर्षद को सूचना प्राप्त हुई है कि प्रस्तावित सदस्य श्री छोटे शर्मा की मृत्यु हो चुकी है। अनुमंडल पदाधिकारी, बिहार शरीफ को अध्यक्ष, संजय कुमार, जिनका नाम आम सभा की बैठक में लिये गये निर्णय में लिखित है, को उपाध्यक्ष एवं श्री अनिल कुमार को सचिव के रूप में नामित करते हुए न्यास समिति का गठन किया जाता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री रामजानकी न्यास, पुरानी ठाकुरबाड़ी, बीच बाजार, पो०+था०—हरनौत, जिला—नालंदा” के सुचारु प्रबंधन,

सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री रामजानकी न्यास, पुरानी ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, बीच बाजार, पो0+था0-हरनौत, जिला-नालंदा” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री रामजानकी न्यास, पुरानी ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, बीच बाजार, पो0+था0-हरनौत, जिला- नालंदा” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त, पर्षद शुल्क आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझी जाये, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के किसी सदस्य की आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे, तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) अनुमंडल पदाधिकारी, बिहार शरीफ, नालंदा	—	पदेन अध्यक्ष
(2) श्री संजय कुमार पिता- महेश साव, बीच बाजार, हरनौत, नालंदा	—	उपाध्यक्ष
(3) श्री अनिल कुमार पिता- राम सोहावन सिंह, बीच बाजार, हरनौत	—	सचिव
(4) श्री विनोद कुमार (दवा दुकान) पिता- स्व0 रघुनंदन साव “ ”	—	उपसचिव
(5) श्री दिनेश प्रसाद पिता- स्व0 राम बालक प्रसाद “ ”	—	कोषाध्यक्ष
(6) श्री अर्जुन प्रसाद जायसवाल पिता- स्व0 वालेश्वर चौधरी “ ”	—	उप कोषाध्यक्ष
(7) श्री संजय कुमार साह पिता- राजेन्द्र प्रसाद “ ”	—	सदस्य
(8) श्री विनोद प्रसाद साह पिता- स्व0 लखन साव “ ”	—	पदेन सदस्य
(9) श्री राजमणी यादव पिता- स्व0 सुखदेव यादव, सबनहुआ डीह, हरनौत	—	सदस्य
(10) श्री राकेश कुमार उर्फ गोरेलाल पिता- शत्रुघ्न साव, काली स्थान, हरनौत	—	सदस्य
(11) श्री अर्जुन दयाल वर्मा पिता- स्व0 दरोगी साव, बीच बाजार, नालंदा	—	सदस्य

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से लागू होगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 95-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>